Q9. नगरों की उत्पत्ति तथा विकास के कारकों का सोदाहरण वर्णन करें।

→ साधारन बोलचाल की भाषा में लोगों के वैसे निवास स्थान जो ELECTRICITY, ROADS, SUPPLY WATER आदि जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होते हैं नगर कहलाते हैं. परन्तु वास्तविकता में नगर लोगों के निवास स्थान मात्र ही नहीं हैं बल्कि नगर एक उत्पादन केन्द्र हैं गैर कृषि वस्तुओं का। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि "वैसे अधिवास जिसके अधिकांस निवासी द्वितीयक तृतियक और चतुर्थ क्षेत्र के कार्यों में संलग्न रहते हैं उन्हें नगर कहा जाता है।" नगरों के विकास के मुख्य कारण ऐतिहासिक, समाज-सांस्कृतिक और आर्थिक होते हैं। अतः यह कहना अत्यंत कठिन है कि कौन सा एक कारण नगरों की उत्पत्ति हेतु अधिक महत्वपूर्ण रहा है। नगरों के उत्पत्ति एवं विकास के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं —

(i) भौतिक कारण :- भौतिक परिस्थितियाँ मानव जीवन के सभी पहलुओं को प्रभावित करती हैं। नगरों की उत्पत्ति एवं विकास में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अनुकुल भौगोलिक परिस्थितियों वाले क्षेत्रों में बड़े नगरों का निर्माण हुआ यथा- लंदन, पेरिस, न्युयार्क आदि जबकि विषम भौतिक परिस्थितियों के क्षेत्रों यथा- साइबेरिया सहारा आदि में नगरों का नामोनिशान तक नहीं है। नगरों की उत्पत्ति को प्रभावित करने वाली मुख्य परिस्थिति निम्नलिखित हैं —

(a) RELIEF :- नगरों की उत्पत्ति एवं विकास उन क्षेत्रों में सुगमतापूर्वक हो जाते हैं जहाँ धरातल समतल हो। नगरों में उद्योग, व्यापार, परिवहन, कार्यालयों

की स्थापना आदि कार्यों के लिए समतल भूमि की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि पर्वतीय, पठारी, या मरुस्थलीय क्षेत्रों की तुलना में मैदानों में नगरों का विकास अधिक हुआ है। जैसे - भारत में दिल्ली, कानपुर, कोलकाता इत्यादि

(b) CLIMATE :- जलवायु मानव बसाव को बहुत अंशों में प्रभावित करता है। अति शित एवं अति उष्ण जलवायु वाले प्रदेशों में नगरों का विकास नहीं हुआ है। विश्व के अधिकांश बड़े नगर शंघाई, टोकियो, लन्दन, पेरिस, न्युयार्क आदि समशीतोष्ण क्षेत्रों में ही स्थित हैं।

(i) RIVERS :- नदीयों के किनारे उत्तम जलवायु, उपजाउ मिट्टी व पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध रहता है इसी कारण नदीयों के किनारे नगरों का केन्द्रीकरण देखने को मिलता है। विश्व के अधिकांश नगर नदीयों के ही किनारे स्थित हैं। जैसे - न्युयार्क हडसन के किनारे, लन्दन टेम्स के किनारे, पेरिस सिन नदी के किनारे, दिल्ली यमुना के किनारे इत्यादि।

(ii) आर्थिक कारण :- नगरों के उद्भव एवं विकास में आर्थिक कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगरों की उत्पत्ति एवं विकास के लिए उत्तरदायी मुख्य कारण निम्नलिखित थे -

(a) SUPPLY OF RAW MATERIALS :- कच्चे माल की उपलब्धता औद्योगिक नगरों को जन्म देती है। भिलाई, दुर्गापुर, जमशेदपुर आदि नगरों की उत्पत्ति लौह अयस्क, यूरेनियम व मैंगनिज की उपलब्धता के कारण ही हुई है।

Scanned with CamScanner

(b) INDUSTRIALIZATION :- औद्योगिकरण के फलस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों का नगरों के रूप में विकास होता है। ग्रेट ब्रिटेन एवं USA में 80 - 85 % जनसंख्या नगरीय है। क्योंकि वहाँ औद्योगिकरण खूब हुआ है। भारत में औद्योगिकरण के परिणामस्वरूप ही जमशेदपुर, भिलाई, बोकारो, विशाखापटनम आदि शहरों की स्थापना हुई है।

(c) TRADE & COMMERCE :- व्यापार -वाणिज्य के कारण ही संसार में सर्वाधिक नगरों का विकास हुआ है। समुद्रों के किनारे इस श्रेणी के नगरों का विकास अधिक हुआ है। मुम्बई, कोलकाता, सिंगापुर, टोकियो, लंदन, न्यूयार्क, आदि ये सभी नगर प्रमुख व्यापारिक केन्द्र तथा महत्वपूर्ण बन्दरगाह हैं।

(d) TRASPORT & COMMUNICATION :- परिवहन एवं संचार के कारण भी नगरों की उत्पत्ति होती है। जो क्षेत्र दो नगरों के बीच यातायात केन्द्र के रूप में होते हैं वे भी नगर के रूप में विकसित हो जाते हैं। भारत के मुगलसराय व नागपुर नगरों का जन्म रेल परिवहन के केन्द्रों पर स्थिति के कारण ही हुआ है।

(e) CAPITAL & TECHNOLOGY :- पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध रहने पर उत्तम नगरों का निर्माण किया जाता है। भारत में SAHARA CITY इसके उदाहरण हैं जो सर्व सुविधा सम्पन्न नगर होते हैं। पूंजी व तकनीकि ज्ञान रहने पर छोटे कस्बों को भी नगरों में बदलते देर नहीं लगती। पूंजी की प्रचूरता के कारण ही आज दुबई इतना सुविधा सम्पन्न नगर बन सका है।

Scanned with CamScanner

(iii) SOCIAL & CULTURAL FACTORS :- नगरो के उद्भव एवं विकास में सामाजीक एवं सांस्कृतिक कारक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नगरों की उत्पत्ति एवं विकास हेतु उत्तरदायी ऐसे प्रमुख कारक निम्नलिखित हैं—

(a) RELIGION :- विश्व के प्राचिन नगर धार्मिक कारणों से ही बने थे। धार्मिक केन्द्रों का नगरों के रूप में विकसित हो जाना एक स्वभाविक प्रक्रिया है। भारत में वाराणसी, मथुरा, अयोध्या, इजराइल में येरुसलम, अरब में मक्का-मदिना आदि नगर धार्मिक महत्व के ही हैं।

(b) TOURISM :- पर्यटक स्थल भी शीघ्र ही नगरों में परिणित हो जाते हैं सरकारी संरक्षण में ऐसे नगरों का शिघ्र ही विकास हो जाता है। भारत में शिमला, मंसूरी, नैनीताल, दार्जिलिंग आदि नगरों का विकास TOURISM के कारण ही हुआ है।

(c) EDUCATION :- शैक्षणिक संस्थानों के आकर्षण के कारण लोग वहाँ जाने लगते हैं तो उस क्षेत्र का विकास नगर के रूप में होते देर नही लगती। जैसे - भारत में रूड़की, वाराणशी, ब्रिटेन में कैम्ब्रिज, हार्वर्ड, आक्सफोर्ड इत्यादि नगर इसी कारण स्थापित हुए हैं।

(iv) राजनैतिक कारण :- जो क्षेत्र प्रशासनिक व राजनैतिक क्रियाकलापों के केन्द्र होते हैं। उनका नगरों के रूप में विकास होते देर नहीं लगती। भारत में दिल्ली, चंडिगढ़, भुवनेश्वर, गांधीनगर आदि इसी प्रकार के नगर हैं। क्योंकि इनका विकास राजधानी बनने के बाद ही हुआ है।

Scanned with CamScanner